MUJHE MERI BIWI SE BACHAO!

M K Tayal
mktayal@mid-day.com

"Its cruelty against husbands" says Surinder Chawla, an unemployed resident of Patel Nagar, who calls himself a "victim" fighting against the IPC 498A which has been termed as "legal terrorism" by the Supreme Court.

Surinder is not alone in his fight against the law, which has gained ill-repute over the years for 498A more than two persons are arrested out of which nearly one-fourth are women.

In all, more than 1.3 lakh persons were arrested for nearly 58,000 cases in 2005, which included over 29,000 women.

Also in 2005,under 498A, which is a law aimed at protecting women, nearly 200 girls below the age of 18 were also arrested for harassing

Members at a 'Save Family Forum' on Sunday

getting used by wives not only to seek divorce, but also to harass their husbands, their families and to extort money.

Hundreds of harassed husbands collected on Sunday under the banner of Save Indian Family, to raise a revolt against dowry law section 498A of the IPC that has "grossly been misused."

"The law is a growing menace to the society. It needs to be changed to save the Indian family," says a senior doctor of a leading hospital Anupam Verma, who is also a "victim" of the 498A law.

Incidentally, for every case to protect dowry victims under the IPC their sisters-in-law, according to home ministry statistics.

"Why don't they change the anti-dowry law, which is grossly being misused," says finance consultant Ashish K Marwah.

Former chief justice of the MP High Court R P Gupta says: "The law is implemented wrongly. It should act as a deterrent against dowry but it is not as women are using it to sort out their marital problems," he says.

Author of 'Harassed Husbands', Prof Kusum says, "The law is being misused for the last 20 years that I have seen. It is against the husbands and in-laws."

Delhi gets fog hit again!

Front Page

chill is expected to return

Shilpa Shetty wins Big B

Front Page

victorious from the contest she entered on January 3.

The process of elimination of the final inmates of the Big Brother House began sometime

past midnight Sunday by India time, and eventually the winner was to be decided from among Jackson and Shilpa.

The hugely popular show was plagued with controversy over the racist treatment of Shilpa by the other inmates of the House. The actress was reduced to tears after she was called a "dog" and one of the contestants refused to eat the food cooked by her, wondering "where all her fingers had been." The issue resonated at the government level in both India and UK., with Shilpa generating a sympathy wave for herself in the two countries.

This morning by India time when Shilpa was declared the winner, the shell-shocked Indian actress threw her arms around Jackson and wept. Later, she emerged from the Big Brother house as fire works exploded in the sky. Shilpa brings home the winner's prize of 100,000 pounds, over and above the over Rs 3.5 crore she was paid to participate in the show.

The victory is expected to be a major boost to Shilpa's career which has been at a standstill for a while now. Reports say she's already been offered an assignment to host a talk show on British television although it still was not known whether she accepted it or not. Chances are also bright that now the actress may start getting more roles in Bollywood too, considering the massive publicity she has got in the past few weeks.

After the win, Shilpa said that her stay at Big Brother

Madhur Bhandarkar Completes His TRIOLOGY

World Wide Release 2nd Feb At:
Delite Diamond, PVR Saket, Naraina, Vikaspuri, Satyam Patel Nagar, Janakpuri, M2K Pitampura, Movie Time Pitampura, Sapna, Fun Moti Nagar, Pitampura, Laxmi Nagar, Karkarduma, Vaishali, Ad Lads Vaishali, Kaushambi, Wave Noida,

Six Different Couples-Tw
Six Different Worlds-One Con

Salaam
directed by NIKHIL ADVANI

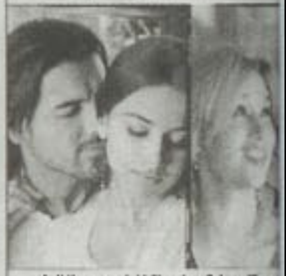

Anil Kapoor • Juhi Chawla • Salman Khan •
Akshay Khanna • Ayesha Takia • John Ibrahim

STAR STUDDED TOP
Delite, Shiela, PV
Chankya, 3C'S, Vish
Sangam, Amba, Batr
Janak, Satyam(Patel Nag
PVR-Saket, PVR-Nara
M2K-Rohini, Pitampura,
Fun-Motinagar,Pitampura,Vaish
PVR-EDM, Jamshipra-Ind
MMX, Galaxie, Wave

समाचार सार

शिवसेना ने धरना दिया

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, २८ जनवरी। आटो टैक्सी चालकों को प्रताड़ित किए जाने के विरोध में शिवसेना की इकाई महानगर ट्रांसपोर्ट सेवा की ओर से पुरानी दिल्ली स्टेशन के सामने धरना दिया गया। धरने में शिवसेना दिल्ली व उत्तर भारत प्रमुख जयभगवान गोयल भी शामिल थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार व पुलिस प्रशासन की ओर से इस व्यवसाय से जुड़े लोगों को तबाह करने में लगी है। उन्होंने कहा कि राजधानी के सभी मुख्य रेलवे स्टेशनों व बस अड्डों पर प्रीपेड की योजना तो लागू कर दी गई, मगर वहां पर कर्मचारियों के नाम पर मात्र एक ही व्यक्ति रहता है। जिस वजह से आटो टैक्सी चालकों को प्रीपेड पर्ची और उसके भुगतान के लिए घंटों लाइन में लगना पड़ता है और जिस बूथ से पर्ची ली जाती है उसे भुगतान करवाने के लिए उसी बूथ पर आना पड़ता है। जिस वजह से आटो-टैक्सी चालकों को भारी परेशानी होती है।

विकलांगों के लिए शिविर लगाया

नई दिल्ली, २८ जनवरी। तरुण मित्र परिषद के संयोजन में दिगंबर जैन शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर ट्रस्ट की ओर से मधुबनी में विकलांगों के लिए शिविर लगाया गया। सप्ताह भर चले इस शिविर का २० जनवरी को उपायुक्त वीरेंद्र राम व पुलिस अधीक्षक अरुण सिंह ने उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि बीते साल भी वहां पर विकलांग शिविर लगाया गया था और अब पोलियोग्रस्त व अन्य विकलांगों के आपरेशन की व्यवस्था की जाएगी।

पाक का दोहरा चरित्रः गुप्ता

नई दिल्ली, २८ जनवरी (जनसत्ता)। अंतरराष्ट्रीय आतंक विरोधी संगठन के अध्यक्ष विकास गुप्ता ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन में और न्यूयार्क टाइम्स में खबर आने के बाद पाकिस्तान का दोहरा चरित्र एक बार फिर दिखा है। अमेरिका में प्रकाशित रपट का हवाला देकर जिसमें आईएसआई क्वेटा के नौजवानों को अफगानिस्तान सरकार के खिलाफ कार्रवाई के लिए उकसा रही है। इससे साफ हो गया है कि पाकिस्तान की कथनी और करनी में फर्क है। उन्होंने पाक पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

नेपाली जन अधिकार का सम्मेलन

नई दिल्ली, २८ जनवरी (जनसत्ता)। नेपाल की मौजूदा समस्या के मद्देनजर नेपाली जन अधिकार सुरक्षा समिति (भारत) का तीन दिवसीय सम्मेलन रविवार को शुरू हुआ। सम्मेलन ३० जनवरी तक चलेगा। आज जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उनमें नेपाल के अंतरिम संविधान के गठन में आने वाली बाधा, भूटानी रिफ्यूजी की नेपाली समस्या, सीमावर्ती भारतीय राज्यों के कुछ संभ्रांत लोगों की गतिविधियों सहित नेपाली (तराई) के मधेशियों की समस्याओं पर चर्चा हुई।

जरूरतमंद बच्चों की मदद की

नई दिल्ली, २८ जनवरी। सामाजिक संगठन आस्त की ओर से ब्लाइंड कन्या वेलफेयर सोसायटी नांगलोई व अंध महाविद्यालय पंचकुइयां रोड के असहाय, विकलांग व जरूरतमंद बच्चों की संस्था ने कापी किताब, पहनने के कपड़े, व्हील चेयर, कंबल, चादरें, व काफी संख्या में खाद्य सामग्री बांटी। कार्यक्रम रामजस फाउंडेशन सभागार, निकट जैन बाल आश्रम दरियागंज में किया गया। इस मौके पर समाज सेवी आशारानी लखोटिया भी उपस्थित थीं।

दहेज उत्पीड़न कानून का बेजा इस्तेमाल बढ़ा

भारतीय दंड संहिता की धारा ४९८ (ए) में सुधार जरूरी: जस्टिस गुप्ता

नई दिल्ली, २८ जनवरी (जनसत्ता)। दहेज उत्पीड़न कानून का बेजा इस्तेमाल बढ़ा है। लिहाजा भारतीय दंड संहिता की धारा ४९८ (ए) में सुधार की जरूरत है। मसलन इसे जमानती बनाया जाना चाहिए। पति के संबंधियों को नए सिरे से परिभाषित किए जाने से शादी-शुदा ननदों सहित दूर रिश्तेदारों को उत्पीड़न से बचाया जा सकता है। यह बात मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायधीश आरपी गुप्ता ने कही। वे दहेज कानून और उसके कार्यान्वयन में अंतर के मौजूदा परिप्रेक्ष्य में हुई गोष्ठी में बोल रहे थे। इसका आयोजन सेव इंडियन फैमिली फोरम ने किया था।

इस मौके पर ४९८ (ए) पर शोध करने वाले विद्वानों ने भी विचार रखे। इसमें सुप्रीम कोर्ट के उस वक्तव्य को भी उद्धृत किया गया जिसमें उसने दहेज विरोधी कानून के बेजा इस्तेमाल पर चिंता जताई है।

दहेज उत्पीड़न के कानून को एक मात्र ऐसा कानून बताया गया, जिसमें प्राकृतिक न्याय सिद्धांत की अनदेखी हो रही है। बिना सबूत और जांच के पुलिस लड़की की केवल शिकायत के आधार पर ससुराल पक्ष के सभी लोगों को गिरफ्तार कर लेती है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं तक को जेल जाकर, सामाजिक तिरस्कार झेलना पड़ जाता है। डॉ. अनुपमा सिंह ने

गोष्ठी

- प्राकृतिक न्याय सिद्धांत की अनदेखी
- ससुराल पक्ष का कई बार तिरस्कार
- सदमे से लोगों की मौत भी
- सुनवाई के बाद कई बेकसूर निकले

कहा- 'कई परिवारों में तो सदमे से मौत हो चुकी है। वर पक्ष को कुछ भी कहने का अधिकार नहीं होता। विश्व स्वास्थ्य संगठन का हवाला देकर उन्होंने बताया कि २००२ की रपट में भारत को इस कानून का सबसे ज्यादा बेजा इस्तेमाल वाला देश बताया गया।

उन्होंने सूचना कानून के तहत जुटाए आंकड़ों का हवाला देकर बताया कि बतौर गृह मंत्रालय, २००५ में १५ हजार शिकायतकर्ताओं की शिकायत पर करीब एक लाख ३५ हजार लोग गिरफ्तार किए गए। जिनमें से केवल दो फीसद लोगों को ही सजा हुई। बाकी ९८ फीसद में से १८ फीसद तो ऐसे थे जिनके खिलाफ आरोप पत्र पुलिस दाखिल नहीं कर पाई।

सेमिनार में वीडियो क्लीपिंग के जरिए यह दिखाया गया कि किस तरह महिलाएं, पैसे के लालच में इसका बेजा इस्तेमाल कर रही हैं। कई बार अदालतों ने इस बाबत सुनाए फैसलों में भी टिप्पणियां की है। वक्ताओं ने तर्क दिया कि इसे जमानती, सामान्य अपराध वाले कानून का दर्जा मिलना चाहिए। साथ ही झूठी शिकायत करने वाले परिवारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का प्रावधान भी किया जाना चाहिए। क्योंकि महिला की शिकायत पर जेल गए कई लोग सुनवाई के बाद बेकसूर निकले।

टाइटलर और दीक्षित में एकजुटता क

दोनों ने कहा- आपसी मतभेद नहीं, जनता की भलाई के

जगदीश टाइटलर ने भी आपसी एकजुटता की बात दोहराई और भाषण के दौरान कई बार मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री के कार्यों की सराहना की। उन्होंने आपसी मतभेद के मामले को दरकिनार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और हमारे लक्ष्य एक हैं। हम आम जनता की भलाई और विकास का काम करना चाहते हैं। इसलिए एक साथ हों यह पहल की है। उन्होंने यह भी कहा कि कभी दोनों ने एक दूसरे के काम में कोई अड़चन नहीं आने दी।

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, २८ जनवरी। नए मास्टर प्लान से दिल्ली वासियों को राहत मिलेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अशोक गहलोत ने यह बात कही। वे सदर संसदीय क्षेत्र के कांग्रेसी कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में संगठन और सरकार ने मिल कर कई उपलब्धियां हासिल की हैं। नगर निगम के आगामी चुनाव के मद्देनजर स्थानीय सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री जगदीश टाइटलर ने आपसी एकजुटता का दावा कर अपने धुर विरोधी मुख्यमंत्री शीला दीक्षित और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रामबाबू शर्मा को एक मंच पर इकट्ठा किया।

गहलोत ने सीलिंग का जिक्र करते हुए कहा कि इससे राजधानी वासियों को काफी मुश्किलें उठानी पड़ीं। इसकी चिंता हमें भी रही। इसीलिए मामला अदालत में होने के बावजूद हमने राहत दिलाने की काफी कोशिश की। प्रयास है कि कोई समाधान निकल आए। उन्होंने कहा, नए मास्टर प्लान से दिल्ली वासियों को निश्चित ही राहत मिलेगी। मास्टर प्लान लंबे समय से अपेक्षित था। जो काम भाजपा नहीं कर पाई वह कांग्रेस सरकार ने कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार ने काफी अच्छा काम किया है। कांग्रेस पार्टी और सरकार के आपसी सहयोग से हासिल हुई इन उपलब्धियों के आधार पर हम नगर निगम चुनाव में जनता के बीच जाएंगे और जीत हासिल करेंगे।

करीब आठ साल से टाइटलर की विरोधी रही मुख्यमंत्री शीला दीक्षित केवल सम्मेलन पहुंचीं, बल्कि इस एकजुटता को उन्होंने नई शुरूआत बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप मतभेद होते हैं। पार्टी स्तर हम सब एक जनता की भ के लिए हमने हमेशा एकजु होकर काम किया। नगर चुनाव में भी जरूरी है कि सरकार और संगठन मिल लड़ें। उन्होंने सीलिंग के में कहा कि इसमें अदाल की दखल इसलिए ज्या कुछ किया जा सका। इससे दिल्ली के व्यापारियों व्यावसा और आम जनता को जो परेशानी हु उसकी चिंता हमें भी थी हमने बचाव लिए प्रयास भी किए। उन्होंने सरकार उपलब्धियां भी गिनाईं।

एक हुए धुर विरोधी

- विकास के लिए हुई पहल
- आठ साल बाद एक मंच पर
- कभी था मनमुटाव: टाइटलर
- कहा, कभी बाधा नहीं डाली काम में

...) कर रहा है। आईआईए के ...म वर्मा ने बताया कि प्रदर्शनी में

...के अनुसार, शुरुआत में विश्वविद्यालय प्रायोगिक तौर पर सी कार्ड जारी करेगा।

कमर्शल एमनेस्टी स्कीम की मांग

नई दिल्ली, जासं : व्यापारियों को सीलिंग व तोड़फोड़ से बचाने की कवायद के रूप में दिल्ली के व्यापारी नेताओं ने एक बैठक कर सरकार से कमर्शल एमनेस्टी स्कीम लाने की मांग की है। बैठक में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव में 31 जनवरी से पहले तक मास्टर प्लान 2021 लागू करने व इसमें व्यापारियों से जुड़े अन्य मुद्दों को भी शामिल करने की मांग की गई। बैठक में उपस्थित व्यापारी नेताओं ने 31 जनवरी से पूर्व एफिडेविट दाखिल करने का भी निर्णय लिया।

उन्होंने सरकार से शपथ पत्र दाखिल करने में प्रयुक्त होने वाले स्टांप पेपर को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने व सभी आर्किटेक्ट्स से व्यापारियों के सहयोग करने की मांग की। व्यापारी नेताओं ने शीघ्र ही मास्टर प्लान लागू न किए जाने की स्थिति में उच्चतम न्यायालय में जाने की भी चेतावनी दी। इस अवसर पर अधिवक्ता महेंद्र राणा, प्रवीण खंडेलवाल, मुरली मनी, रमेश खन्ना, नरेंद्र मदान, विजय पाल सिंह, श्याम शर्मा, सतीश गर्ग, सतेंद्र जैन, सतेंद्र वाधवा, रमेश आहूजा, असीम त्यागी, अमित अग्रवाल, मुकेश तुली, राजेश वर्मा, संजय जैन, नील कमल गुप्ता, ओम प्रकाश जैन, सुशील गोयल आदि व्यापारी नेता उपस्थित रहे।

...समाज में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। गांधी का सपना हिंसामुक्त व भूखमुक्त भारत का निर्माण करना था। प्रदेश में अब भी ऐसे लोगों की बड़ी तादाद है, जो भूखे पेट सोने को मजबूर हैं। इसलिए सरकार प्रदेश में खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम घोषित करने जा रही है। यह बातें मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के सभागार में आयोजित भूख व हिंसामुक्त भारत विषय पर आयोजित परिचर्चा में कहीं।

सत्याग्रह आंदोलन के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर इंडियन काउंसिल ऑफ गांधीयन स्टडीज व इग्नू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय परिचर्चा में श्रीमती दीक्षित ने कहा कि इस देश में 20 लाख से अधिक लोग कुपोषण के शिकार हैं। इसी तरह प्रतिवर्ष इस देश में लाखों बच्चों की मौत भुखमरी से होती है। दिल्ली में भी ऐसे बच्चों की तादाद काफी अधिक है जो भूखे पेट सोने को मजबूर हैं जबकि प्रदेश की प्रतिव्यक्ति आय देश के अन्य प्रांतों की अपेक्षा काफी अधिक है। उन्होंने लोगों से

इग्नू में परिचर्चा

गांधी के विचारों को प्रशासनिक दर्शन और जन जीवन में उतारने में मदद करने का भी आग्रह किया। आज दुनिया ने यह मान लिया है कि अहिंसा से ही जीवन को उपयुक्त बनाया जा सकता है। विगत एक दशक में भारत में गांधी के विचारों के अध्ययन के लिए आने वाले विदेशियों की संख्या इस बात को प्रमाणित करने के लिए काफी है। इस अवसर पर सत्याग्रह : सेंटेनरी रिफ्लेक्सन और एनआरएम हैंडबुक पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। सत्याग्रह शताब्दी समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता इग्नू के कुलपति प्रो. वीएन राजशेखरन पिल्लई ने किया। इस अवसर पर गांधीयन स्टडीज के प्रो. एन. राधाकृष्णन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एसडी शर्मा, पत्रकार डा. गुलाब कोठारी, डा. वाईपी आनंद, पीवी राजगोपाल, डा. संजीवा रेड्डी, स्वामी सच्चिदानंद भारती, प्रो. एएस नारंग, प्रो. डी.गोपाल, एन. वासुदेवन समेत देशभर से आए लगभग दो सौ वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

कानून का उद्देश्य अपराध रोकना : जस्टिस गुप्ता

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस आरपी गुप्ता ने कहा कि कानून बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है कानून को सही तरीके से लागू करना। उन्होंने कहा कि कानून का उद्देश्य बदला लेना नहीं बल्कि अपराध को रोकना होता है। श्री गुप्ता 'लॉ एंड जस्टिस' विषय पर आयोजित एक सेमिनार में बोल रहे थे। यह सेमिनार 'सेव फैमिली फोरम' नामक स्वयंसेवी संस्था द्वारा शनिवार को भगवान दास रोड स्थित वीवी कृष्णा मेनन ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। सेमिनार में दहेज निरोधक कानून और भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के बढ़ते दुरुपयोग पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

सेमिनार में फोरम की डा. अनुपमा सिंह ने कहा कि दहेज निरोधक कानून के तहत झूठे मामले दर्ज कराने का प्रतिशत साल दर साल बढ़ रहा है। डब्लूएचओ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए डा. सिंह ने कहा कि इस तरह के कानून दूसरे देशों में भी हैं

कृष्णा मेनन सभागार में लॉ एंड जस्टिस पर आयोजित सेमिनार में विचार रखतीं डा. अनुपमा सिंह। जागरण

लेकिन भारत में इसका सबसे अधिक दुरुपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया की वर्ष 2005 में क्राइम ब्यूरो ऑफ इंडिया में दहेज प्रताड़ना के 1,54000 मामले दर्ज हुए जिनमें से केवल 5400 मामले ही वास्तविक थे। इस अवसर पर सेमिनार के संयोजक स्वरूप सरकार ने कहा कि दहेज निरोधी कानून के तहत मामला दर्ज करवा कर लड़की पक्ष के लोग लड़के पक्ष के लोगों को बेवजह प्रताड़ित करते हैं। लड़के पक्ष के उन रिश्तेदारों को भी मामले में नामजद कर दिया जाता है जो उनके साथ नहीं रहते। उन्होंने कहा कि कुछ मामले तो केवल रुपये ऐंठने के मकसद से दर्ज करवाए जाते हैं और जब रुपये मिल जाते हैं तो शिकायत वापस ले ली जाती है। उन्होंने कहा कि इस कानून में झूठा मामला दर्ज करवाने वालों के खिलाफ कोई प्रावधान नहीं है। लिहाजा हम चाहते हैं कि इस कानून में बदलाव कर झूठा मामला दर्ज करवाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विषय वस्तु रटने के बजाय समझने पर जोर दें

बोर्ड परीक्षा की तैयारी

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : बोर्ड परीक्षा की तैयारी में लगे छात्र अध्ययन करते समय विषय वस्तु रटने के बजाय, उसे समझें। ऐसा करने से न केवल आपकी जानकारी बढ़ेगी बल्कि जब भी आप उस बात को दोहराएं तो लंबे समय तक याद रख सकेंगे। साथ ही आपके जवाब दूसरे छात्रों की तुलना में अलग और अच्छे होंगे। यह कहना है **दिल्ली विवि के पीजीडीएवी कालेज के इतिहास विभाग के रीडर प्रकाश नारायण** का।

छात्र अक्सर हिंदी, इतिहास, सामाजिक विज्ञान व अन्य विषयों में रट्टा मारने की कोशिश करते हैं लेकिन आगे चलकर उन्हें दिक्कत आती है। क्योंकि उन्होंने अब तक जो भी पढ़ा, वह उनकी समझ से परे की बात होती है और बोर्ड परीक्षा में उसी छात्र को अच्छे अंक मिलते हैं, जो विषय को समझते हुए अध्ययन करता है। विषय समझने से छात्र अपना मौलिक जवाब

बनाकर भी लिख सकता है। जबकि रटने वाले छात्र की यदि एक लाइन कहीं बीच से गायब हो गई तो सारा जवाब ही गलत हो जाता है। अभिभावकों को भी अपने बच्चे की क्षमता के अनुसार ही उस पर दबाव बनाना चाहिए।

अक्सर देखने में आता है कि अभिभावक जो अपने जीवन में नहीं कर पाते, वह उम्मीद अपने बच्चे से रखते हैं। अगर बच्चे की क्षमता 80 फीसदी अंक लाने की है तो उसे 95 फीसदी अंक का लक्ष्य न दें। क्योंकि आज बोर्ड परीक्षा में बैठने वाला छात्र पहले से कहीं ज्यादा सजग है। उसका एजेंडा तय होता है कि कौन सेक्षेत्र में उसे जाना है। अभिभावकों को चाहिए कि छात्र के तय एजेंडे में उसे मार्गदर्शक की तरह सहायता करें। पढ़ाई नियमित करें।

नियमित अध्ययन ही सफलता की कुंजी है। छात्र ऐसा न करें कि नींद न लें और पढ़ते रहें। बेहतर पढ़ाई के लिए मस्तिष्क को पूरी नींद लेना भी जरूरी है। इससे आप तनाव रहित रहते हैं।

खास बिंदु :

- एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयारी करें
- हर विषय के लिए एक समय सीमा निर्धारित करें।
- अध्ययन के दौरान खास बिंदुओं के नोट्स बनाएं और उन्हें दोहराते रहें।

किनारे जाना पड़ा था।

दहेज कानून का दुरुपयोग रोकना चुनौती

संगोष्ठी

सेमीनार में वक्ताओं और कानूनविदों की राय

जामिया हमदर्द में कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली। दहेज निरोधक व अन्य घरेलू हिंसा कानूनों का बहुत लोगों ने दुरुपयोग किया है। इस दुरुपयोग को रोकना कानून के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय समाज पर पारिवारिक कानूनों के असर के विषय पर आज एक सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार को उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर.पी.गुप्ता, डॉ. अनुपमा गुप्ता आदि ने संबोधित किया। भारत में दहेज व महिला प्रताड़ना कानून का दुरुपयोग हो रहा है। लोग रुपये उगाहने के लिए इन कानूनों का सहारा ले रहे हैं। यह कानून निर्दोषों को अपने बचाव तक नहीं करने देती है, जिसके कारण कई बुजुर्ग माता पिता, बहन दोषी करार दिए जा रहे हैं। कई संगठनों और कानूनविदों ने कई बार अपने विचार दिए हैं कि भारतीय समाज के लिए ये कानून घातक साबित हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी जांच में यह पाया कि कई बुजुर्गों को बेइज्जती का सामना करना पड़ता है। यदि इस पर नियंत्रण नही पाया गया तो परिवार व वैवाहिक स्थायित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। इन कानूनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए न्यायाधीश मालिमाथ की अध्यक्षता में गठित क्रिमिनल जस्टिस रिफार्म आयोग ने दहेज प्रताड़ना कानून को जमानती धारा के अंतर्गत लाने का सुझाव दिया था। सेव फेमिली फोरम से जुड़ी संस्था सेव फेमिली फाउंडेशन, आशा किरण, सेव इंडियन फेमिली फाउंडेशन, प्रोटेक्ट इंडियन फेमिली, भारतीय पारिवारिक शांति संस्था ने निर्दोष परिवारों की मुक्ति सुनिश्चत करने, कानून में पुरुष व महिला के बदले में व्यक्ति शब्द का प्रयोग करने, पति और पत्नी के बदले स्पॉज शब्द का प्रयोग करने की मांग की है।

उधर, जामिया हमदर्द में जमात-ए-इस्लामी हिंद की ओर से सच्चर कमेटी की सिफारिशों पर चर्चा के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन के मौके पर दिल्ली वक्फ बोर्ड की स्थाई समिति में एडवोकेट नज्मी वजीरी ने कहा कि मुसलमान अपनी दयनीय स्थिति के लिए खुद जिम्मेदार हैं। सरकार की तरफ देखने के बजाए उन्हें आत्मनिर्भर बनना होगा। समापन सम्मारोह में वक्फ के प्रबंधन, शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में मुस्लिमों के लिए आरक्षण और सरकार की कल्याणकारी नीतियों पर चर्चा की गई। वक्फ प्रबंधन पर बोलते हुए नज्मी वजीरी ने कहा कि सरकार बिना मुआवजा दिए वक्फ की जमीनों का अधिग्रहण करती जा रही है और मुसलमान उसका मुंह ताक रहे हैं। शिक्षा और रोजगार के मसले पर सैय्यद शहाबुद्दीन ने कहा कि जब पिछड़ों को आरक्षण मिल रहा है तो मुस्लिम समाज के पिछड़ों को भी इसका फायदा मिलना चाहिए।

...ाज आपका भाग्य हर ... आपका साथ देगा। ... आशा में बदलेगी। किसी ...वाद के निपटने का हर्ष ...कारोबार में उत्तम प्रगति ...गा। परिवार में प्रसन्नता

...क-आज स्वास्थ्य कुछ ...गा। पूरा दिन मन में चिंता ...स्वजनों से कुछ मतभेद ...कारोबार में सामान्य प्रगति ...प धन लाभ होगा। अपने ...व होगा।

...ज प्रयासों में इच्छित ... मिलेगी। किसी ...ना पूर्ति का हर्ष होगा। ... में मान-सम्मान बढ़ेगा। ... में उत्तम प्रगति एवं धन ...गमन रहेगा।

...-आज आपका स्वास्थ्य ...म रहेगा। प्रयासों में अल्प ... मिलेगी। संबंधियों और ...से विवाद की आशंका ... कारोबार में आय की ...कता रहेगी। घर में आनंद

...- आज प्रयासों में सफलता ...गी। जनसंपर्क में वृद्धि होगी। ...स्तरीय संबंधों से लाभ ...। कारोबार में उत्तम प्रगति ...गा। प्रियजन से भेंट होगी। ...गी।

...-आज राजकीय मामलों में ...फलता रहेगी। नौकरीपेशा ... पर अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। ...-प्रतियोगिता में सफलता ...गी। कारोबार में यथेष्ठ धन ... आनंद रहेगा।

आज जन्मे व्यक्ति का वार्षिकफल

आज 29 जनवरी को जन्में जातकों के लिये यह वर्ष शुभ रहेगा। इस साल आपके परिचय का दायरा बढ़ेगा। आप में साहस एवं शक्ति का संचार रहेगा। कल्पना व्यवहारिकता में बदल जायेगी। परिश्रम करने पर प्रयासों में इच्छित सफलता मिलेगी। यदि आप विद्यार्थी है तो परिश्रम करने पर ही परीक्षा-प्रतियोगिता में इच्छित सफलता मिलेगी। व्यापारी वर्ग के व्यक्तियों के लिए आय की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। इस साल जोखिम के कार्यों से बचने में ही भलाई है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह वर्ष मध्यम फलदायक है। विश्वासपात्र लोगों से धोखा मिलने की आशंका रहेगी। अनुकूल स्थानांतरण में बाधाएं आएंगी। भूमि-भवन का सपना साकार होगा। भूमि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। इस वर्ष सस्ती लोकप्रियता व भावुकता से बचें। वर्ष के फरवरी, जुलाई और सितंबर माह विशेष शुभ रहेंगे।

अमर उजाला.कॉम

आपकी राय

क्या गुजरात में नये हॉस्टल का ढहना प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है?

हां	नहीं	पता नहीं
87%	10%	03%

आज का सवाल

क्या अमेरिका को इराक में शांति कायम करने के लिए और सेना भेजनी चाहिए?

कृपया अपनी राय हमें अवश्य भेजें

http://www.amarujala.com

महत्वपूर्ण टेलीफोन

पुलिस कंट्रोल रूम	100
अग्निशमन विभाग	101
ट्रैफिक हैल्प लाइन	23378888
महिला हैल्प लाइन	1091,24121234
छात्र व सीनियर सीटिजन हैल्प लाइन	1291
निगम मुख्यालय कंट्रोल रूम	23962700, 23912700
अवैध निर्माण शिकायत कक्ष	1266
चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर	1098
दिल्ली महिला आयोग हैल्पलाइन नंबर	23379181, 23370597
एम्स जहर सेल नंबर	26859391, 26593677
पूछताछ(आगमन-प्रस्थानऔर रिजर्वेशन)	1330,1335
रेलवे प्रिमियम सर्विस नंबर	125050
ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालक शिकायत	42-400-400
लाहौर बस यात्रा सेवा	23318180
रेडियो टैक्सी के लिए संपर्क नंबरसीईजी कैब	43434343

राजधानी में आज

- दिल्ली सरकार : जन शिकायत केंद्र का उद्घाटन, एसएलडीसी बिल्डिंग, मिंटो रोड, 12.30 बजे दोपहर।
- राजकमल प्रकाशसन : पुस्तक का विमोचन, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, एनेक्सी लैक्चर हाल, 05.30 बजे सायं।
- फोर्टिज राजन ढल अस्पताल : दा फोर्टिजगोल्डन ऐज कार्यक्रम, सेक्टर-बी, पॉकेट-1, अरूणा आसफ अली मार्ग, वसंत कुंज, 12.00 बजे दोपहर।
- किसान संगठन : भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन का शुभारंभ, जंतर मंतर, 11.00 बजे सुबह।

काम की बात

मुकेश अंबानी ग्रुप की कंपनी रिलायंस रिटेल सोमवार से दिल्ली से सटे एनसीआर क्षेत्र में अपने आउटलेट खोलेगी। कंपनी की योजना नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद व गुड़गांव में रिलायंस फ्रेश के नौ स्टोर खोलने की है। इन स्टोरों में ताजे फल-सब्जियों व ग्रासरी वस्तुओं की बिक्री की जाएगी। कंपनी दिल्ली में अपने स्टोरों की शुरुआत दूसरे चरण में करेगी। इसके तहत यहां 45 बड़े स्टोर खोले जाएंगे। जहां उपभोक्ताओं को फल-सब्जी के अलावा घर-गृहस्थी से संबंधित हर वस्तुएं बाजार मूल्य से कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके पूर्व कंपनी हैदराबाद व जयपुर में रिलाइंस रिटेल के 32 स्टोर खोल चुकी है। कंपनी की योजना वर्ष 2010 तक देश भर में 784 आउटलेट शहरों में व 6000 आउटलेट गांवो में खोलने की है।

राजधानी सिनेमा

सलाम-ए-इश्क : बतरा, अल्पना, डिलाइट थिएटर, लिबर्टी, सत्यम, (पटेल नगर, जनक प्लेस), सपना, विशाल, फन सिनेमा, (पीतमपुरा, वीउएस मॉल, क्रास रिवर मॉल, मोती नगर, पीवीआर साकेत, पीवीआर प्रिया, पीवीआर प्लाजा, चाणक्य, संगम, सम्राट

रिस्क(न्यू रिलीज) : फन सिनेमा मोती नगर, फन सिनेमाफन सिनेमा(पीतमपुरा, फन सिनेमा कड़कड़डूमा ,फन सिनेमा लक्ष्मीनगर

गुरु : पीवीआर नारायणा, पीवीआर विकासपुरी, फन सिनेमा मोती नगर, फन पीतमपुरा, सत्यम पटेल नगर, सत्यम जनक पैलेस, मुवी टाइम पीतमपुरा, एम2के पीतमपुरा, पीवीआर साकेत, सपना पीवीआर रिवोली, पीवीआर प्लाजा, रिगल, डिलाइट डायमंड, गोल्चा

धूम-2 : सत्यम(पटेल नगर, जनक प्लेस) मूवी टाइम(पीतमपुरा)

SMS KONA

Every tear is a sign of brokenness,
every silence is sign of lonliness,
every smile is sign of kindness,
every sms is sign of remembrance